

(3)

SUMMARY TRIAL UNDER SECTION 263 THE CRIMINAL PROCEDURE CODE 1998
IN THE COURT OF A.K. Gupta, JMFC Gohad Dist Bhind (M.P.)

Case No. 28/18

Complaint or report made on

Name and address of the Complainant.....

श्रीमान पु. रामो सालनपुर

बिनास

पूजन सिंह 3/0 उन्नत शम

Name, parentage, caste and address of accused

पूजन सिंह 3/0 उन्नत शम उके पदवर्ध
न - हरिश्चंद्र को पूजा सालनपुर

The offence, complainant of, and date of, its alleged commission

आप पर आरोप है कि दिनांक 06/11/2017 मुकाम
हरिश्चंद्र को पूजा सालनपुर पर बिना वैध अनुज्ञप्ति के अपने
आधिपत्य में 28 बरतलीटर/पाव/बोतलें के शराब विक्रय/परिवहन हेतु रखी।
ऐसा करके आपने आवकारी अधि 1915 की धारा 34-1 (क) के अधीन दण्डनीय
अपराध कारित किया।

क्या आपको उक्त अपराध स्वीकार है या प्रतिरक्षा चाहते हो।

The plea of the accused and his examination (if any)

अपराध स्वीकार है। न्यून दण्ड से दण्डित करने का निवेदन है।

पूजा सिंह

हस्ताक्षर
जायिक बरिन्दर प्रयास वर्मा
बिनास कोट

हस्ताक्षर
जायिक बरिन्दर प्रयास वर्मा
बिनास कोट

// निर्णय //

(आज दिनांक 06/2/18 को घोषित)

01. अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के अधीन दण्डनीय अपराध का अभियोग है। संक्षिप्त विचारणीय होने से समरी सीट पर अपराध विवरण पढ़कर सुनाये एवं समझाये जाने पर अभियुक्त ने स्वेच्छापूर्वक जुर्म/अपराध स्वीकार करना व्यक्त किया।

02. संक्षिप्त विचारण किया गया। अतः अभियुक्त की स्वेच्छापूर्वक स्वीकारोक्ति के आधार पर आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के तहत आरोपी को दोषी ठहराया जाता है। उसकी पूर्व दोषसिद्धि के संबंध में अभिलेख पर कोई तथ्य मौजूद नहीं है।

03. अभियुक्त को आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के तहत न्यायाल उठने तक की अवधि तक की सजा एवं रुपये 1000/- शब्दों में एक हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है। अर्थदण्ड न पटाये जाने पर 7 दिवस का साधारण कारावास की सजा भुगतायी जावे।

04. जप्तशुदा सम्पत्ति 28 लीटर/पाव/बोतल शराब मूल्यहीन एवं मानव उपयोग हेतु हानिकारक होने के कारण अपील अवधि पश्चात् नियमानुसार

पकित की जावे। अपील न होने पर मातृ अपील न्यायालय के आदेश का

